मैंने प्रयोग किया 7

ज़रूरी नहीं कि प्रयोग करने के लिए हमेशा प्रयोगशाला में जाने का इंतज़ार किया जाए। अगर कोशिश की जाए तो यहां वहां पड़ी चीज़ों से भी अच्छे प्रयोग बनाए और किए जा सकते हैं, और उनके पीछे छिपे विज्ञान के तथ्यों को खोजा जा सकता है। ऐसे ही कुछ प्रयोगों का ज़िक्र।

सवालीराम 25

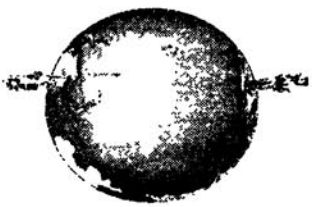

सभी कहते हैं कि धरती घूमती है, लेकिन हमेशा तो रुकी हुई दिखती है। तो फिर कैसे मानें कि धरती घूमती है। सही भी है कि जब तक गति महसूस नहीं हो कैसे कोई विश्वास करे कि धरती घूम रही है। लेकिन सारा का मारा लेना-देना इसी को लेकर है कि हमारा 'गति का एहसास' दरअसल है क्या बला। सवालीराम ने इस बार सुलझाई है धरती के घूमने की इस गुत्थी को।

प्रिय बरखुरदार 79

बच्चों के अंतर्मन में छुपी दुविधाओं, उनके संसार की गहरी समझ के लिए रुडयार्ड किपलिंग जाने जाते हैं। जंगल बुक और मोगली उनकी ही रचना है। याद है न कितना प्रसिद्ध हुआ था यह किरदार। उन्होंने जो चिट्ठियां अपने बच्चों को लिखीं वे भी एक अपनी तरह की अनूठी रचनाएं हैं। इस बार प्रकाशित है उनकी अपने बेटे जॉन को लिखी चिट्ठी।

द्वन्द्व से शिक्षा 85

हमारे शिक्षा तंत्र में द्वन्द्व को स्वीकार करने में बड़ी हिचकिचाहट व्याप्त है। बच्चों की ऐसी जिज्ञासाओं से किनारा करने की कोशिश होती है जो बातचीत को द्वन्द्व की दिशा में मोड़ती हों। प्रसिद्ध शिक्षाविद कृष्ण कुमार ने अपनी एक किताब 'लर्निंग फ्रॉम कॉन्फलिक्ट' में इसी मुद्दे का विश्लेषण किया है। इस किताब के विस्तृत परिचय के अलावा, इसके कुछ अंश भी।

इस अंक में

आपने लिखा	2	सवाल, जवाब और सवाल	60
मैंने प्रयोग किया	7	ज़रा सिर तो :	67
आयनिक बंध और परमाणु	15	बच्चे महज़ बच्चे नहीं . . .	71
सवालीराम	25	मुझे भी अच्छा लगा . . .	78
हम मुसाफिर दुनिया के . .	30	प्रिय बरखुरदार	79
गुम होती बोलियां	41	द्वन्द्व से शिक्षा	85
क्यों नहीं लगता करंट . . .	49	अंगो के बीच भरा खून. . .	96